

प्रेषक,

डा० राकेश कुमार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्राचार्य,
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली राजकीय आयुर्विज्ञान शोध संस्थान,
श्रीनगर, पौड़ी गढ़वाल।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक / ० फरवरी, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट के अनुदान संख्या-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या-मे०का०/बजट/लेखा/2009-10/4992 दिनांक 06.02.2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 के बजट प्राविधान के सापेक्ष पूर्व में निर्वर्तन पर रखी गयी धनराशि के अतिरिक्त लेखाशीर्षक 2210-05-105-04-0405-राजकीय सहायता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान(टीचिंग हास्पिटल) के मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता में प्राविधानित धनराशि रू० 10,00,00,000.00(रूपये दस करोड़ मात्र) में से धनराशि रू० 1,00,00,000.00 (रूपये एक करोड़ मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखते हुए निम्नांकित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2. धनराशि का आहरण/व्यय सुसंगत वित्तीय नियमों के आलोक में तथा लम्बित बिलों के मूल बीजकों को आधार पर पुष्टि करते हुए वास्तविक आवश्यकतानुसार नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
3. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासन अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये। उक्त धनराशि केवल लम्बित देनदारियों/सृजित हो चुकी देनदारियों के भुगतान पर व्यय की जायेगी।

4. धनराशि जिस मद के लिए स्वीकृत की जा रही है उसी मद में व्यय की जाएं। एक मद से दूसरी मद में धनराशि का स्थानान्तरण कदापि न किया जायें।
5. जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये। बजट नियंत्रक अधिकारी बी०एम०-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा जिस अधिकारी का नमूनाहस्ताक्षर समस्त कोषाधिकारियों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियों पूर्व निर्गत शासनादेश के क्रम में जारी किया जाये अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
6. व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कराया जायेगा कि योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत यथाप्रभावी दिशा निर्देशों एवं मानकों की कड़ाई से अनुपालन कर ली गई हो।
7. उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-05-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-04-मेडिकल कालेज-0405-राजकीय सहायता प्राप्त चिकित्सालयों को अनुदान(टीचिंग हास्पिटल) के मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के लिए भुगतान के नामे डाला जायेगा।
8. यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्ध शासकीय संख्या-460(NP) /XXVIII(3)/2010 दिनांक 17 फरवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सड़मति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा० राकेश कुमार)
सचिव।

सं०-171 /XXVIII(1)/2010/13/2004TC-I तद दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।

2-आयुक्त गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।

3-जिलाधिकारी, पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, उत्तराखण्ड।

- 4-निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6-महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7-वरिष्ठ कोषाधिकारी / कोषाधिकारी पौड़ी / देहरादून।
- 8-बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- ✓ 9-वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03 / नियोजन विभाग / एन0आई0सी0।
- 10-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।